GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE
DEPARTMENT OF AGRICULTURE, COOPERATION AND FARMERS WELFARE

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO. 127
TO BE ANSWERED ON 12/2/2021

CONTRIBUTION OF AGRICULTURE TO GDP

*127 Shri Sambhaji Chhatrapati:

Will the Minister of AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE be pleased to state:

(a) whether agriculture contributes about 15 per cent of national GDP and provides employment to about 50 per cent of the total population of the country;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether some increase in output from agriculture was witnessed during the peak months of the pandemic in comparison to other sectors; and

(d) if so, the details thereof and the likely contribution of agriculture to GDP in future as a result of advanced technology developed by agriculture scientists?

ANSWER

MINISTER OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE

(SHRI NARENDRA SINGH TOMAR)

(a) to (d): A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT IN RESPECT OF PARTS (a) TO (d) OF THE RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 127 FOR 12.2.2021 REGARDING CONTRIBUTION OF AGRICULTURE TO GDP.

(a) & (b): As per the First Advance Estimates of National Income, released by National Statistics Office (NSO), Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI) on 7th January 2021, the share of Agriculture and Allied Sectors in Gross Value Added (GVA) of the country for the year 2020-21 is 16.3 percent at Constant 2011-12 Prices . As per the Periodic Labour Force Survey (PLFS), conducted by MoSPI during July 2018-June 2019, the percentage of workers in the usual status engaged in agriculture sector in the country is 42.49 per cent.

(c) & (d): Yes sir. Agriculture sector performed better than other sectors of the economy, during the corona pandemic. As per the Estimates of National Income 2020-21 released by NSO, MoSPI, on 31st August, 2020, the growth rate of real Gross Value Added (GVA) of Agriculture & Allied sectors is 3.4 percent in the first quarter (April - June), 2020-21. It is the only sector that has contributed positively to the overall Gross Value Added (GVA) in first quarter (April - June), 2020-21.

Agriculture was largely insulated from the lockdown in India as timely and proactive exemptions from COVID-19 induced lockdowns to the sector facilitated uninterrupted harvesting of rabi crops and sowing of kharif crops. As per First Advance Estimates for 2020-21 (Kharif Crops only), total foodgrain production in the country is estimated at 144.52 million tonnes. The production during 2020-21 is higher by 9.83 million tonnes than the average food grain production of previous five years' (2014-15 to 2018-19).

The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) is engaged in developing high-yielding, disease/pest resistant varieties and technologies in crops, horticulture, animal and fisheries science which have enabled food and nutritional security in the country. The varieties, technologies and timely advisories and input support provided by ICAR matched with the efforts of the farming community have enabled the country to achieve 3.4% agricultural growth during the First Quarter of the financial year, 2020-21 despite difficulties posed by COVID-19 pandemic.

******

भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 127*

12 फरवरी, 2021 को उत्तरार्थ

विषय: सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की हिस्सेदारी

127 श्री संभाजी छत्रपती:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगेकि:

(क) क्या राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी15 प्रतिशत है और यह देश की लगभग 50 प्रतिशत जनसंख्या को रोजगार मुहैया कराता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उन महीनों में जब महामारी का प्रकोप सबसे अधिक था, तब अन्य क्षेत्रों की तुलना में कृषि क्षेत्र के उत्पादन में कोई वृद्धि हुई है; और

(घ) यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विकिसत उन्नत प्रौद्योगिकी के परिणामस्वरूप भविष्य में सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की कितनी हिस्सेदारी होने की संभावना है?

उत्तर

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री)

(श्री नरेंद्र सिंह तोमर)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

"सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की हिस्सेदारी" के संबंध में दिनांक 12.02.2021 को देय राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 127* के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) तथा (ख):राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय(एमओएसपीआई) द्वारा 07 जनवरी, 2021 को जारी राष्ट्रीय आय के पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार,वर्ष 2020-21 के लिए देश के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों की हिस्सेदारी वर्ष 2011-12 के स्थिर मूल्यों पर16.3 प्रतिशत है। जुलाई 2018- जून 2019 के दौरान सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा किए गए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के अनुसार, देश में कृषि क्षेत्र में संलग्न सामान्य स्थिति में कामगारों का प्रतिशत 42.49 है।

(ग) तथा (घ): जी हां। कृषि क्षेत्र ने कोरोना महामारी के दौरान भी अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 31 अगस्त, 2020 को जारी राष्ट्रीय आय 2020-21 के अनुमानों के अनुसार,कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों की वास्तविक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) की वृद्धि दर पहली तिमाही (अप्रैल-जून), 2020-21 में 3.4 प्रतिशत है। यह केवल एकमात्र क्षेत्र है जिसने पहली तिमाही (अप्रैल-जून), 2020-21 में समग्र सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में सकारात्मक योगदान दिया है।

भारत में कृषि लॉकडाउन से अत्यधिक अप्रभावित रही क्योंकि इस क्षेत्र को कोविड-19 के कारण लगाए गए लॉकडाउनों से समय पर और सक्रिय छूट ने रबी फसलों की निर्बाध कटाई और खरीफ फसलों की बुआई को सुकर बनाया। वर्ष 2020-21 के प्रथम अग्रिम अनुमानों (केवल खरीफ फसलें) के अनुसार, देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन 144.52 मिलियन टन आँकलित किया गया है। वर्ष 2020-21 के दौरान खाद्यान्न उत्पादन पिछले पांच वर्षों (2014-15 से 2018-19) की तुलना में औसत खाद्यान्न उत्पादन से 9.83 मिलियन टन अधिक है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) फसलों, बागवानी, पशु तथा मत्स्य विज्ञान में उच्च पैदावार वाली, रोग/कीट रोधी किस्मों तथा प्रौद्योगिकियों के विकास में संलग्न है जिसने देश में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को सक्षम बनाया है। आईसीएआर द्वार उपलब्ध कराई गई किस्मों, प्रौद्योगिकियों तथा सामयिक परामर्शीकाओं एवं आदान समर्थन ने कृषि समुदाय के प्रयासों से देश को कोविड-19 महामारी के कारण उपजी कठिनाईयों के बावजूद वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही के दौरान 3.4 प्रतिशत कृषि वृद्धि दर प्राप्त करने में सक्षम बनाया है।

*****

श्री सभापति : श्री संभाजी छत्रपती ..... वे जन्मदिन के लिए गांव गए होंगे। Right. No supplementaries! Okay. Now, Q.No. 128.